

[Shri Binoy Viswam]

nurses. The nurses are working today on minimum salaries. They are facing a very, very miserable condition. Nurses all over the country are agitated. I am proud to state that my State Kerala is the first State of the country to see that minimum wages for nurses as per the verdict of the Supreme Court is implemented in States. Even there, the private management is not ready to obey the decision of the Supreme Court or State Government. In Delhi, the Government made a declaration that it should be implemented from April, 2018 in Delhi. They say that the Government has to implement that. Here also, the big hospitals of Delhi went to Delhi High Court to get a stay on this decision. Sir, the Central Government and the State Governments have a duty to come in support of the nurses. Without nurses, the health sector will be in a very bad situation. 'Ayushman Bharat' is a great slogan of the Government. The role of the nurses is very critical and vital in implementation of 'Ayushman Bharat'. If we ignore them, if we forget them and if we deny them their wages, then how can we implement Ayushman Bharat? Sir, my point is that the nurses are on strike in Delhi. On 10th December, they are going to conduct a march towards the Parliament. Nurses are agitated all over the country. My plea to the Central Government and the State Governments is to come out in support of the nurses because they are great people, their service is great. So, I plead to all of you to support this demand of the nurses.

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

PROF. MANOJ KUMAR JHA (Bihar): I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI M. SHANMUGAM (Tamil Nadu): I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K. SOMAPRASAD (Kerala): I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

**Need to generate employment opportunities for workers of Bihar,  
Jharkhand and Uttar Pradesh**

श्री सकलदीप राजभर (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझे जनहित के एक व्यापक महत्व के विषय पर बोलने का समय दिया।

माननीय महोदय, मैं आपके माध्यम से बड़ी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ यह कहना चाहता हूँ कि महानगरों में विशेष रूप से बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के मजदूर भारी संख्या में हैं। वे विगत 10 वर्षों से लगातार दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता आदि महानगरों में मजबूरन अपने बाल-बच्चों और परिवार को छोड़कर मजदूरी के लिए जाते रहे हैं। इसके कारण, उनके परिवार की दशा दयनीय होती जा रही है। मैं इस बात की सराहना करता हूँ कि माननीय मोदी जी ने गाँव, गरीब, किसान और मजदूरों के हित में, उनका जीवन-स्तर ऊँचा उठाने के विषय को गंभीरता से अपने संज्ञान में लिया है, परन्तु मैं एक बात पर विशेष जोर देना चाहता हूँ कि गाँव का किसान-मजदूर अपने कृषि-कौशल को छोड़कर पैसा कमाने के लिए शहर में जाकर मजदूरी का काम करता है, जबकि उसके लड़के-लड़कियों की शिक्षा-दीक्षा प्रभावित होती है। मजदूरों का परिवार एक वर्ष से तीन वर्ष तक अपने मुखिया की बाट जोहता रहता है, जो बहुत ही कष्टदायक है।

माननीय महोदय, महानगरों की तरफ लगातार होने वाले इस पलायन के कारण शहरों में बढ़ती हुई जनसंख्या से जलवायु-वायु प्रदूषण तथा पीने के पानी की समस्या अनियंत्रित होती जा रही है और इसके कारण अपराधों में भी वृद्धि हो रही है।

माननीय महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह माँग करता हूँ कि विशेष रूप से बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के मजदूरों की पीड़ा को ध्यान में रखकर विशेष नीति बनाकर इसमें कल-कारखानों एवं पूँजीपतियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे जीविकोपार्जन हेतु ग्रामों से मजदूरों का पलायन रुक सके, वे अपने परिवार की देखभाल कर सकें, उनके बच्चों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से हो सके और महानगरों को भारी जनसंख्या एवं जलवायु प्रदूषण से मुक्ति भी मिल सके। जय हिन्द।

**प्रो. मनोज कुमार झा :** महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

**श्रीमती कान्ता कर्दम (उत्तर प्रदेश):** महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूँ।

#### **Failure of regulatory bodies in the finance sector**

**SHRI PRATAP SINGH BAJWA (Punjab):** Thank you Chairman Sir, I am very grateful to you. सर, मैं आपकी अनुमति से यह मुद्दा आपके सामने लेकर आया हूँ। सारे देश में बैंकों के जितने डिपॉजिटर्स हैं, उन सभी को इस टाइम बहुत ज्यादा distress है और उनके मन में डर-खौफ है।

सर, फाइनेंस मिनिस्टर भी यहाँ हैं। मैं आपके ज़रिए उनको बताना चाहता हूँ कि एक वक्त था जब हिन्दुस्तान के बैंक्स पर सभी को बहुत भरोसा था। जब वेस्टर्न वर्ल्ड के बैंक्स फेल हो रहे थे, अमेरिका के बड़े से बड़े इंस्टिट्यूशंस फेल हो रहे थे, उस समय हिन्दुस्तान के बैंकों के बारे में हमने कभी नहीं यह सुना था कि कोई बड़ा स्कैम हुआ हो। चलो, छोटे-मोटे तो चलते ही रहते हैं। जब से पंजाब नेशनल बैंक का नीरव मोदी और चौकसी वाला स्कैम शुरू हुआ.... उसके बाद आठ लाख रुपये हिन्दुस्तान के लोगों का जो आपके पब्लिक सेक्टर्स बैंक है, वह